शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

वार्षिक पाठ्यक्रम, सत्र: 2026-27

कक्षा - 9, विषय – हिंदी (आर-1)

पाठ्यपुस्तक: गंगा	अपठित बोध	व्याकरण एवं रचनात्मक लेखन
गद्य खंड- 1. दो बैलों की कथा (प्रेमचंद) 2. क्या लिखूँ? (पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी) 3. संवादहीन (शेखर जोशी) 4. ऐसी भी बातें होती हैं (यतींद्र मिश्र) **काव्य खंड-** 8. पद (रैदास) 9. राम-लक्ष्मण- परशुराम संवाद (तुलसीदास) 10. भारति, जय, विजयकरे! (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला')	• अपठित गद्यांश एवं काव्यांश पर बोध, चिंतन,विश्लेषण, सराहना एवं अभिव्यक्ति कौशल परक बहुविकल्पीय, अतिलघूत्तरात्मक एवं लघूत्तरात्मक प्रश्न	**व्यावहारिक व्याकरण-** • शब्द-निर्माण – उपसर्ग, प्रत्यय • संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया • अर्थ की दृष्टि से वाक्य-भेद • अलंकार (शब्दालंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष) **रचनात्मक लेखन-** • संकेत बिंदुओं के आधार पर समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े विषयों पर अनुच्छेद लेखन (लगभग 120 शब्दों में) • अनौपचारिक पत्र लेखन (लगभग 100 शब्दों में) • संवाद लेखन (लगभग 80 शब्दों में) • सूचना लेखन (लगभग 80 शब्दों में)
आंतरिक मूल्यांकन		
उपर्युक्त पाठ्यक्रम को 5 सितंबर 2026 तक पूर्ण कर लिया जाए। **पुनरावृति**		
मध्यावधि परीक्षा		

पाठ्यपुस्तक: गंगा	**अपठित बोध**	**व्याकरण एवं रचनात्मक लेखन**
गद्य खंड- 5. आखिरी चट्टान तक (मोहन राकेश) 6. रीढ़ की हड्डी (जगदीशचंद्र माथुर) 7. मैं और मेरा देश (कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर') **काव्य खंड-** 11. झाँसी की रानी (सुभद्रा कुमारी चौहान) 12. घर की याद (भवानी प्रसाद मिश्र)	• अपठित गद्यांश एवं काव्यांश पर बोध, चिंतन, विश्लेषण, सराहना एवं अभिव्यक्ति कौशल परक बहुविकल्पीय, अतिलघूत्तरात्मक एवं लघूत्तरात्मक प्रश्न	**व्यावहारिक व्याकरण-** • शब्द-निर्माण –उपसर्ग,प्रत्यय (पुनरावृति) • संज्ञा,सर्वनाम,विशेषण,क्रिया (पुनरावृति) • अर्थ की दृष्टि से वाक्य-भेद (पुनरावृति) • अलंकार (शब्दालंकार) – अनुप्रास, यमक, श्लेष (पुनरावृति) **रचनात्मक लेखन -** • संकेत बिंदुओं के आधार पर समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े विषयों पर अनुच्छेद लेखन (लगभग 120 शब्दों में) • अनौपचारिक पत्र लेखन (लगभग 100 शब्दों में) • संवाद लेखन (लगभग 80 शब्दों में) • सूचना लेखन (लगभग 80 शब्दों में)

आंतरिक मूल्यांकन

संपूर्ण पाठ्यक्रम को 30 जनवरी 2027 तक पूर्ण कर लिया जाए।

समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृति

नोट:

- **पाठ्यचर्या लक्ष्य और उनकी दक्षताओं का विवरण परिशिष्ट 1 में दिया गया है।**
- **पाठांतर्गत दी गई सभी गतिविधियों को निर्धारित दक्षता प्राप्ति हेतु करवाना अपेक्षित है।**
- **पाठ-विशेष में किसी पाठ्यचर्या लक्ष्य और दक्षता को प्राप्त करने के लिए शिक्षक स्वयं उपयुक्त गतिविधियों का निर्माण करने के लिए स्वतंत्र हैं।**
- **पाठ्यक्रम संबंधी अधिक जानकारी के लिए सी.बी.एस.ई. का पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2026-27 देखें।**
  https://cbseacademic.nic.in/web_material/CurriculumMain27/SecPart1/Hindi_SecP1IX_2026-27.pdf

परिशिष्ट-1

माध्यमिक स्तर पाठ्यचर्या लक्ष्य R1 (भाषा)

CG-1 भाषा का उपयोग प्रभावी संचार के लिए विभिन्न प्रकार के लेखन (निबंध, पत्र, लेख, चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक भाषण) और नए मीडिया (ईमेल, ऑडियो और दृश्य सामग्री) के माध्यम से करते हैं।

- C-1.1 सामाजिक संदर्भ के अनुरूप भाषा का प्रयोग करते हैं, तर्क सहित सहमति और असहमति व्यक्त करते हैं और चर्चा एवं वाद-विवाद के माध्यम से निष्कर्ष पर पहुँचते हैं।
- C-1.2 अपने और दूसरों के अनुभवों के आधार पर विभिन्न शैलियों (वर्णनात्मक, व्याख्यात्मक, प्रेरक) में लिखते हैं।
- C-1.3 वास्तविक जीवन की स्थितियों (निमंत्रण पत्र, भाषण, शोक संदेश, सूचनाएँ, रचनात्मक नारे, विज्ञापन) और स्कूल के समाचार पत्र/पत्रिका/जर्नल के लिए लिखते हैं।
- C-1.4 प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए विचारों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने और जानकारी देने के लिए स्क्रिप्ट (लेख) तैयार करते हैं।

CG-2 विभिन्न विधाओं (हास्य, कौतूहल, त्रासदी) में शैली (वर्णनात्मक, व्याख्यात्मक, प्रेरक) के विश्लेषण के माध्यम से सौंदर्यशास्त्र की समझ विकसित करते हैं और इन तत्वों का अपने लेखन में उपयोग करते हैं।

- C-2.1 विभिन्न कालों (जैसे प्रारंभिक, मध्यकालीन, समकालीन) की साहित्यिक कृतियों की विशेषताओं का वर्णन करते हैं।
- C-2.2 साहित्यिक पाठ का गहन पठन, रूप और शैली की आलोचना और संभावित अर्थों की व्याख्या करके विश्लेषण करते हैं।
- C-2.3 उपयुक्त साहित्यिक उपकरणों का उपयोग करके साहित्यिक पाठों की रचना करते हैं।

CG-3 विभिन्न प्रकार की श्रव्य और लिखित सामग्री से जुड़कर तर्क और बहस कौशल विकसित करने के लिए भाषा का उपयोग करते हैं।

- C-3.1 विभिन्न श्रव्य और लिखित सामग्री का विश्लेषण और मूल्यांकन करते हैं।
- C-3.2 आधार वाक्यों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करके उचित तर्क के साथ वाद-विवाद करते हैं।

CG-4 भाषा से संबंधित साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत तथा भारतीय भाषाओं की समृद्धि की सराहना करते हैं।

- C-4.1 विभिन्न विधाओं के ग्रंथों को पढ़कर और सामग्री देखकर भारतीय समाज की बहुभाषी प्रकृति तथा साहित्यिक कृतियों की समृद्धि को पहचानते हैं।
- C-4.2 क्षेत्रीय भाषा साहित्य की विभिन्न कृतियों तथा उनके संबंधों में निहित संस्कृति और विरासत की समृद्धि की सराहना करते हैं।
- C-4.3 हमारी पहचान और संस्कृति के निर्माण में भाषा की भूमिका की समझ प्रदर्शित करते हैं।
- C-4.4 कुछ प्रमुख भारतीय भाषाओं की समानताओं का बुनियादी ज्ञान प्रदर्शित करते हैं, जैसे कि उनकी सामान्य ध्वन्यात्मक और वैज्ञानिक रूप से व्यवस्थित वर्णमालाएँ और लिपियाँ, सामान्य व्याकरणिक संरचनाएँ, संस्कृत और अन्य शास्त्रीय भाषाओं से शब्दावली की उत्पत्ति और स्रोत, साथ ही उनके समृद्ध अंतर्संबंध और अंतर।
- C-4.5 यह बुनियादी ज्ञान प्रदर्शित करते हैं कि किन भौगोलिक क्षेत्रों में कौन सी भाषाएँ बोली जाती हैं, जनजातीय भाषाओं की प्रकृति और संरचना की समझ रखते हैं, और देश भर की कुछ भारतीय भाषाओं के कुछ उपयोगी शब्दों, वाक्यांशों और साहित्यिक कृतियों से परिचित होते हैं।